Youth For Creativity
Youth Wing of Rajyoga Education & Research Foundation
Registered as an All India Education Charitable Society
Under Societies Registration Act, XXI of 1860

युवा प्रभाग – रजत जयंती महोत्सव के अंतर्गत

दिव्य दर्पण चार्ट भरने वाले भाई बहनों का विशेष सम्मान

दिनांक - 24-7-10

परमात्म शक्तियों व वरदानों की अनुभूति कराने वाली हमारी निमित्त दैवी टीचर्स बहनें, बापदादा की आशाओं के दीपक हमारे युवा भाई-बहनें,

युवा प्रभाग की ओर से दादी रतनमोहिनी जी एवं ब्र.कु.चंद्रिका बहन की ईश्वरीय याद प्यार स्वीकार करना जी।

आपको जैसाकि मालूम ही है कि शांतिवन में दिनांक 23 से 27 सितंबर 2010 तक विशाल संख्या में युवा भाई-बहनों की उपस्थिति में रजत जयंती महोत्सव का सुंदर आयोजन किया गया है।

इस समारोह के अंतर्गत नियमित रूप से चार्ट भरने वाले दिव्य दर्पण पुरुषार्थी भाई-बहनों का विशेष सम्मान किया जायेगा। अत: आपके सेवाकेन्द्र के निम्नलिखित भाई-बहन इस सम्मान विधि में शामिल हो सकते हैं।

1. जो भाई-बहनें जनवरी 2008 के प्रारंभ से अब तक दिव्य दर्पण का चार्ट भर रहे हैं।
2. जो भाई-बहनें मई, जून और जुलाई 2010 तीन मास से यह दिव्य दर्पण का चार्ट भर रहे हैं।

उपरोक्त दोनों ग्रुप के भाई-बहनें जुलाई मास के अपने चार्ट का पोस्टकार्ड जो अहमदाबाद महादेवनगर विंग ऑफिस में अगस्त मास के प्रथम सप्ताह में भेजेंगे, **उस पोस्टकार्ड में निम्नलिखित बातें अवश्य लिखेंगे, जिनके आधार पर उनका नाम सम्मान विधि में शामिल किया जायेगा।**

पोस्टकार्ड में लिखने की बातें

- मैं जनवरी 2008 से दिव्य दर्पण का चार्ट नियमित भर रहा हूं / भर रही हूं।
- मैं पिछले मई-जून-जुलाई तीन मास से नियमित दिव्य दर्पण का चार्ट भर रहा हूं / भर रही हूं।

उस पोस्टकार्ड में अपने सेवाकेन्द्र इन्चार्ज बहन के हस्ताक्षर अवश्य होने चाहिएँ।

विशेष सूचना :

जिन भाई-बहनों का उपरोक्त लिखत के साथ पोस्टकार्ड दिनांक 20 अगस्त तक महादेवनगर सेवाकेन्द्र पर मिलेगा उन्हों का नाम ही इस दिव्य दर्पण पुरुषार्थी सम्मान ग्रुप में शामिल किया जायेगा।

अच्छा, सर्व को याद।

बाबा की याद में,
बी.के चन्द्रिका बहन

युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण ग्रुप

अगस्त, 2010 के पुरुषार्थ की प्वाइंट्स

अगस्त मास का चार्ट:

लक्ष्य – एकव्रता

एकव्रता अर्थात् सिर्फ पतिव्रता नहीं, सर्व सम्बन्ध से 'एकव्रता'। संकल्प में भी, स्वप्न में भी दूजा-व्रता न हो। एकव्रता अर्थात् सदा वृत्ति में भी एक हो। सदा मेरा तो एक दूसरा न कोई - यह पक्का व्रत लिया हुआ हो। यही एक छोटा सा सुहावना संगमयुग है जिसमें परमात्मा से सर्व सम्बन्ध अनुभव करने का एवं निभाने का सौभाग्य प्राप्त होता है। यही व्रत अनेक वरदानों की प्राप्ति कराने वाला है। ऐसे बच्चों की हर समय की सर्व ज़िम्मेवारियाँ वरदाता बाप स्वयं अपने ऊपर उठाते हैं। ऐसी धारणा वाले बच्चे ही पास विद् ऑनर बनते हैं।

आओ हम सब मिलकर दृढ़ संकल्प करें कि एकव्रता का व्रत जीवन में धारण कर पुरुषोत्तम संगमयुग की सर्व प्राप्तियों के अधिकारी बनें।

विधि :

सप्ताह	**दिव्य दर्पण का व्रत - एकव्रता**
प्रथम	एकनामी
दूसरा	एकमत
तीसरा	एक से सर्व लेन-देन
चौथा	एक बल एक भरोसा

1. **एकनामी:** एक बाबा के ही नाम-रूप का प्रभाव आत्मा पर रहे। कोई भी बात आ जाये तो सबसे पहले एक बाबा का ही नाम याद आये। यह अभ्यास करना है कि हर बात में एक बाबा का ही नाम स्मृति में आये। कितने % एकनामी रहे वह लिखना है।
2. **एकमत:** हम बच्चों को भगवान ने हर बात की मत दी है – कैसे खाना है, बोलना है, चलना है, सोना है, सोचना है आदि। हर समय मुझे अपने आपसे पूछना है कि क्या मैं जो कुछ भी सारे दिन में करता हूँ, वह श्रीमत अनुसार है या और कोई मत मिक्स है।
3. **एक से सर्व लेन देन:** कई आत्माओं का यह चिन्तन चलता है कि जब कोई बात आती है तब बापदादा तो आकारी और निराकारी है लेकिन हम तो साकारी हैं, इसलिए कोई तो साकार में चाहिए जिसके साथ हम लेन-देन कर सकें। सारे दिन में कितने % हमने बाबा से सारी लेन-देन की, यह लिखना है।
4. **एक बल एक भरोसा:** कभी यह नहीं कहा जाता कि एक पर भरोसा और दूजे का बल। जब भी कोई समस्या आती है तब किसी न किसी व्यक्ति का आधार लेते हैं और कहने में यही कहते हैं कि हमें तो भगवान पर ही भरोसा है। हमें यही निश्चय रखना है कि जिसे हमने जीवन की नैया सौंप दी है वही हमारी नैया को हर तूफान से पार ले जायेगा। हम कितने % इस निश्चय पर रहे, यह लिखना है।

फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1.गुड मॉर्निंग - 3.30
2.अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में
3.व्यायाम/पैदल- हाँ जी
4.ट्रैफिक कन्ट्रोल- 5
5.मुरली क्लास - क्लास में सुनी
6.अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7.स्वमान की स्मृति -बहुत अच्छी
8.नुमाशाम का योग- हाँ जी
9.एकव्रता - 80%
10.गुड नाइट- रात्रि 9.30

- उसके बाद फ्रेम बुक में उस दिन की मुरली से प्वाइन्ट, वरदान, स्लोगन आदि उसी पेज पर लिखना है और स्वमान उसी पेज पर लिखकर अभ्यास करना ।
- स्वमान:

1. मैं आत्मा एकनामी हूँ।	16. मैं आत्मा एक्टर हूँ।
2. मैं आत्मा इकानामी का अवतार हूँ।	17. मैं आत्मा एक बाबा से सर्व सम्बन्ध निभाने वाली हूँ।
3. मैं आत्मा एकरस स्थिति वाली हूँ।	18. मैं आत्मा एक बाबा से ही बात करने वाली हूँ।
4. मैं आत्मा एक बाबा की लगन में मगन रहने वाली हूँ।	19. मैं आत्मा एक बाबा के साथ ही खेलने वाली हूँ।
5. मैं आत्मा एकता में रहने वाली हूँ।	20. मैं आत्मा एक बाबा के साथ ही बैठने वाली हूँ।
6. मैं आत्मा एकाग्रचित्त हूँ।	21. मैं आत्मा एक बल एक भरोसे पर रहने वाली हूँ।
7. मैं आत्मा एकान्तवासी हूँ।	22. मैं आत्मा एक बाबा की याद में रहने वाली हूँ।
8. मैं आत्मा एकमत पर चलने वाली हूँ।	23. मैं आत्मा एक बाबा की पालना में पलने वाली हूँ।
9. मैं आत्मा एकान्तप्रिय हूँ।	24. मैं आत्मा एक बाबा के प्यार में खो जाने वाली हूँ।
10. मैं आत्मा अलर्ट हूँ।	25. मैं आत्मा एवर हैप्पी हूँ।
11. मैं आत्मा एवररेडी हूं।	26. मैं आत्मा एक बाबा के कार्य में मददगार हूँ।
12. मैं आत्मा एक्टिव हूँ।	27. मैं आत्मा एक राज्य की स्थापना करने वाली हूँ।
13. मैं आत्मा एवर हेल्दी हूँ।	28. मैं आत्मा एक धर्म की स्थापना करने वाली हूँ।
14. मैं आत्मा एवर वेल्दी हूँ।	29. मैं आत्मा एकता के सूत्र में सर्व को बांधने वाली हूँ।
15. मैं आत्मा एक बाबा से सर्व लेन-देन करने वाली हूँ।	30. मैं आत्मा एक बाबा दूसरा न कोई व्रत का पालन करने वाली हूँ।
	31. मैं आत्मा एकव्रता हूँ।

❖ सितम्बर में आयोजित रजत जयंती महोत्सव के दौरान ईनाम प्राप्त करने के लिए सितम्बर मास के प्रथम सप्ताह में पोस्टकार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना जरूरी है। आप को विशेष पोस्टकार्ड में लिखना है कि कितने समय से आप दिव्य दर्पण का चार्ट लिख रहे हैं। जिन्होंने तीन मास लगातार चार्ट भरा है उन्हें इनाम दिये जायेंगे एवं जो भाई-बहनें जब से चार्ट शुरू हुए हैं, तब से भर रहे हैं, उन्हें भी विशेष सम्मानित किया जायेगा। 23 सितम्बर, 10 को जब आप शान्तिवन आयेंगे उस समय आप जब से चार्ट भर रहे हैं, वे सारी डायरियाँ लेकर ही आना है तब ही आपको इनाम दिया जायेगा। पोस्टकार्ड का सैम्पल बताया गया है:

नाम:________ सेन्टर का नाम:______ DiDar No:___________

गुड मॉर्निंग-90%	**अमृतवेला-75%**
व्यायाम/पैदल-80%	**ट्रैफिक कन्ट्रोल-90%**
मुरली क्लास-90%	**नुमाशाम का योग-80%**
स्वमान की स्मृति-75%	**अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%**
एकव्रता -80%	**गुड नाइट-95%**
चार्ट: OK या ~~OK~~	**टीचर के हस्ताक्षर**

मैं जनवरी 2008 (दो साल) से दिव्य दर्पण का चार्ट भर रही/रहा हूँ। या
मैं मई,10 मास से दिव्य दर्पण का चार्ट भर रही/रहा हूँ।

Phone No: (079) 26444415, 26460944 Email: bkyouthwing@gmail.com Website: www.bkyouth.org

To get sms Daily for Swaman Please type (Join DivyaDarpan) and send sms to 567678.